स्थापित वर्ष-2016

कॉलेज कोड-EW60

श्रीमती उर्मिला देवी महाविद्यालय

SMUD
MAHAVIDYALAY BHARTHNA

आदर्श विहार, भोली चौराहा, ऊसराहार रोड, भरथना (इटावा) उ.प्र.

सम्बद्ध- छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

बी.ए./बी.एस.सी./बी.टी.सी.

PROSPECTUS

रामप्रकाश यादव
(संस्थापक/अध्यक्ष)

राधेश्याम यादव "पत्रकार"
(संरक्षक)

पुष्पेन्द्र सिंह यादव (नीरज)
(प्रबन्धक)

Scanned with OKEN Scanner

स्व. श्रीमती उर्मिला देवी

Scanned with OKEN Scanner

प्रबन्धक की कलम से

सम्मानित अभिभावकगण एवं प्रिय प्रवेशार्थियो,

आपको सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि हमने अपनी पूज्य माताजी स्व. श्रीमती उर्मिला देवी पत्नी श्री रामप्रकाश यादव की पावन स्मृति को अक्षुण बनाये रखने के लिए वर्ष 2016 में श्रीमती उर्मिला देवी महाविद्यालय, आदर्श विहार, भोली चौराहा, उमराहर रोड, भरथना (इटावा) उ0प्र0 की स्थापना की। जो विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए दृढ़ संकल्पित है। महाविद्यालय का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को उनके मानसिक, शारीरिक तथा आत्मिक विकास की दृष्टि से शिक्षा प्रदान करना है और इस दृष्टि से इसे नगर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के विशेषकर पिछड़े, निर्बल एवं दलित वर्गों के छात्रों को शिक्षा सम्बन्धी सुविधायें प्रदान करने का प्रयास है। यह संस्था पूर्णतः असंप्रदायिक एवं धर्म निरपेक्ष है तथा इसके द्वारा जाति, रंग, धर्म आदि पर आधारित किसी प्रकार के भेदभाव के बिना समस्त ज्ञान पिपासुओं के लिये खुले हैं। यह संस्था अपने समस्त विद्यार्थियों के संकीर्णता, साम्प्रदायिकता और प्रदेशीय पूर्वग्रहों से ऊपर उठकर सुन्दर, स्वस्थ और पूर्ण जीवन यापन, चरित्र निर्माण तथा सादा जीवन उच्च विचारके महामंत्र को अपनाकर चलने की अपेक्षा करती है।

यह महाविद्यालय एक विशेष मिशन को लेकर स्थापित किया गया है। मैं चाहता हूँ कि यह महाविद्यालय आचरण, शिक्षणेत्तर कार्य कलाप कुशल अध्यापन इस विद्यालय की विशेषतायें होंगी। क्षेत्रीय जनता से विनम्र अनुरोध है कि इस मिशन में हमें अपना सहयोग अवश्य प्रदान करें।

*''संयम और परिश्रम मनुष्य के दो सर्वोत्तम चिकित्सक हैं।
परिश्रम से भूख तेज होती है और संयम अतिभोग को रोकता है।''*

प्रबन्धक/सचिव
पुष्पेन्द्र सिंह यादव ''नीरज''
M.A., M.B.A.

Scanned with OKEN Scanner

संस्थापक/अध्यक्ष की कलम से

श्री उर्मिला देवी महाविद्यालय का उद्देश्य शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के सभी वर्गों के छात्र-छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार प्रदान करना है। यह संस्था अपने सभी शिक्षार्थियों के साथ बिना किसी भेदभाव के उनके उत्तम स्वास्थ्य, उज्जवल जीवन निर्माण के लिए पूर्ण प्रयास करेगी। हमारा उद्देश्य छात्र-छात्राओं को सिर्फ पुस्तकीय ज्ञान देना न होकर उनका चर्तुमुखी विकास करना है ताकि भविष्य में वह एक श्रेष्ठ नागरिक साबित हो सके जिसकी हमारे देश को वर्तमान में अत्यधिक आवश्यकता है। महाविद्यालय में शिक्षण कार्य योग्य एवं निपुण शिक्षकों द्वारा किया जाता है और इनका ध्येय यह भी है कि छात्र-छात्राओं में उत्तम चरित्र, उचित अनुशासन, सद्गुण और श्रेष्ठ व्यक्तित्व का विकास किया जाये ताकि छात्र-छात्रायें विकासोन्मुख रहते हुये सफलता के शिखर पर पहुँचकर अपनी उपलब्धियों का परचम लहरा सके।

क्षेत्र के समस्त नागरिकों से हमारा आग्रह है कि आप सभी परामर्श और प्रेरणा रूपी सतत् सहयोग महाविद्यालय को प्रदान करें और आप सभी के सहयोग से ही ईमानदार, चरित्रवान, सद्गुण सम्पन्न, योग्य, सक्षम, कर्तव्यनिष्ठ, जागरूक, बुद्धिमान नागरिकों की आगामी पीढ़ी तैयार हो सकती है जो कि देश के बेहतर भविष्य के लिये परमावश्यक है। महाविद्यालय परिवार क्षेत्रवासियों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करता है।

संस्थापक/अध्यक्ष
रामप्रकाश यादव

Scanned with OKEN Scanner

महाविद्यालय में अध्ययन के विषय

कला संकाय

1. हिन्दी साहित्य
2. अंग्रेजी साहित्य
3. समाजशास्त्र
4. राजनीति शास्त्र
5. अर्थशास्त्र
6. शिक्षाशास्त्र
7. संस्कृत

विज्ञान संकाय

1. भौतिक विज्ञान	2. रसायन विज्ञान	3. गणित	(गणित समूह)
2. जन्तु विज्ञान	2. वनस्पति विज्ञान	3. रसायन विज्ञान	(जीव विज्ञान समूह)

बी.टी.सी.

महाविद्यालय में प्रवेश के सामान्य नियम

1. संस्थागत छात्र के रूप में किसी भी छात्र को महाविद्यालय से स्नातक कक्षाओं में तीन वर्ष व स्नातकोत्तर कक्षाओं में दो वर्ष सम्मिलित करके पांच वर्ष से अधिक समय तक अध्ययन करते रहने की अनुमति नहीं है।
2. किसी भी अभ्यर्थी को जिसके विरूद्ध अपराधिक मामले दर्ज होंगे अथवा जो अपराधिक मामलों में सजायेयाफ्ता है प्रवेश की अनुमति नहीं दी जायेगी।
3. महाविद्यालय के प्राचार्य को किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश देने या न देने का पूर्ण अधिकार होगा।
4. उन विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं दिया जायेगा जो पिछली कक्षाओं में अनुचित साधन प्रयोग के दोषी पाये गये हैं।
5. उन विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं दिया जायेगा जो पिछली कक्षाओं में अनुत्तीर्ण हुए हैं। अनुत्तीर्ण छात्रों को संकाय परिवर्तन की अनुमति भी प्रदान नहीं की जायेगी।

WEB REGIATRATION NO. WRN

विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेव साइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करवाने के उपरान्त प्राप्त **WEB REGIATRATION NO. WRN** को अपने प्रवेश आवेदन के साथ संलग्न करते हुए महाविद्यालय में जमा करें।

महाविद्यालय से प्राप्त होने वाली सुविधायें

1. विद्यार्थियों को शिक्षा सत्र की अर्द्धवार्षिक परीक्षा में प्रशंसनीय परीक्षाफल पर विशेष आर्थिक प्रोत्साहन।
2. मेघावी एवं योग्य विद्यार्थियों को पुस्तकीय सहायता।
3. प्रथम श्रेणी प्राप्त एवं सुयोग्य निर्धन विद्यार्थियों को शुल्क में विशेष छूट देने की व्यवस्था।
4. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, परिगणित एवं पिछड़ी जाति की छात्रवृत्तियाँ।
5. राष्ट्रीय छात्रवृत्तियाँ।
6. विकलांग विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की व्यवस्था।
7. मण्डल, विश्वविद्यालय एवं प्रदेश स्तर की क्रीड़ा के उत्कृष्ट प्रदर्शन का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर शुल्क मुक्ति सुविधा एवं अन्य प्रोत्साहन।
8. स्नातक विज्ञान कक्षाओं में फीस माफी संभव नहीं है।

Scanned with OKEN Scanner

प्रवेश की प्रक्रिया

1. विद्यार्थी आवेदन पत्र भरने हेतु निम्नांकित बातों का ध्यान रखें-
   (क) यथास्थान पर फोटो चिपकायें।
   (ख) हाईस्कूल के प्रमाण पत्र की सत्य प्रतिलिपि संलग्न करें।
   (ग) अन्तिम परीक्षा के अंक पत्र की सत्य प्रतिलिपि संलग्न करें।
   (घ) अन्तिम विद्यालय के प्राचार्य से प्राप्त चरित्र प्रमाण-पत्र मूलरूप से संलग्न करें।
   (ङ) अन्तिम शिक्षण संस्था से प्राप्त स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र मूलरूप से संलग्न करें।
   (च) अपना पूर्ण पता लिखकर 2 पोस्टकार्ड आवेदन पत्र के साथ संलग्न करें।
2. प्रवेश समिति विधिवत् पूर्ण आवेदन पत्र पर विचार करके प्रवेश की संस्तुति करेगी। प्रवेश-समिति की संस्तुति के आधार पर प्राचार्य द्वारा प्रवेश का आदेश दिया जायेगा। तथा शुल्क जमा करने के उपरान्त ही प्रवेश पूर्ण माना जायेगा तदुन्तरान्त परिचय-पत्र प्रदान करने की कार्यवाही प्रारंभ की जायेगी।
3. जिन छात्रों ने अपनी अन्तिम परीक्षा उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद्, अथवा छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के अतिरिक्त अन्य संस्था से उत्तीर्ण की है, उन्हें प्रवजन-प्रमाण-पत्र को संलग्न करना होगा।
4. विद्यार्थी जो भी प्रमाण-पत्र व उनकी सत्य प्रतिलिपियां जमा करेंगे उनकी सत्यता का दायित्व उनके ऊपर होगा।
5. प्रवेश के उपरान्त शुल्क-जमा-रसीद प्रस्तुत करने पर कार्यालय द्वारा विद्यार्थी को कक्षा-प्रवेश कार्ड और परिचय पत्र भी प्राप्त होगा जिसमें सेक्शन व पाठ्य विषयों की सूची होगी। कक्षा प्रवेश कार्ड की उपयोगिता निम्न प्रकार से होगी।
   (अ) विभागाध्यक्ष या सम्बन्धित प्रवक्ता को विषय उपस्थिति पंजिका में नाम लिखाते समय विद्यार्थी को परिचय-पत्र दिखाना आवश्यक है।
   (ब) पुस्तकालयाध्यक्ष को परिचय-पत्र दिखायें ताकि विद्यार्थी को पुस्तकालय कार्ड दिया जा सके।
6. सभी विद्यार्थियों को कालेज कार्यालय से परिचय-पत्र प्राप्त होने पर एक सप्ताह में अनुशासन अधिकारी के हस्ताक्षर करा लेना चाहिये।

परिचय-पत्र

समस्त विद्यार्थी प्रवेश के समय अपना नवीनतम फोटो पासपोर्ट आकार में प्रस्तुत करेंगे तब यहाँ से परिचय-पत्र निर्गत किया जायेगा। जिसे वे एक सप्ताह के अन्दर पूर्ण करके हस्ताक्षर के लिये मुख्यानुशासक (चीफ प्रॉक्टर) के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।

महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को चाहिये कि वे अपने परिचय-पत्र सदैव अपने साथ रखें जिससे कभी भी निरीक्षण के समय उसे प्रस्तुत किया जा सके।

पुस्तकालय एवं वाचनालय

विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों के नवीनतम ज्ञानार्जन हेतु कालेज के पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की पुस्तकें उपलब्ध हैं जिनका आवश्यकतानुसार प्रतिवर्ष परिवर्धन किया जायेगा। प्रशिक्षित पुस्तकालय अध्यक्ष की देखरेख में पुस्तकालय का प्रबन्धन आधुनिक पद्धति से किया जा रहा है। प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र/छात्राओं को पुस्तकालय से यथा सम्भव पुस्तकों का पूरा सैट सत्र भर अध्ययन के लिए दिया जाता है। विद्यार्थियों की सहायता के लिए एक पुस्तकालय समिति भी है जो समय-समय पर आने वाली समस्याओं का समाधान करती है।

Scanned with OKEN Scanner

बुक बैंक स्कीम

निर्धन योग्य विद्यार्थियों के लिए प्रबन्ध समिति के सहयोग से पाठ्य पुस्तकें क्रय करके बुक बैंक स्थापित किया गया है।

महाविद्यालय द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्तियाँ

सामान्य, पिछड़े, अनुसूचित जातियों एवं अनु. जन जातियों, विकलांग तथा सैनिक कर्मचारियों के आश्रित छात्र/छात्राओं को विभिन्न छात्रवृत्तियाँ, सम्बन्धित विभागों द्वारा प्रदान कर जाती हैं। छात्र/छात्रा छात्रवृत्ति आवेदन पत्र तीन प्रतियों में भरकर तथा आय व जाति प्रमाण पत्र संलग्न कर महाविद्यालय में प्रवेश के उपरान्त जमा कर दें।

छात्रवृत्ति आवेदन पत्र

महाविद्यालय में निम्न छात्रवृत्तियों के लिए छात्र/छात्रायें आवेदन कर सकते हैं-

1. राष्ट्रीय छात्रवृत्ति-मैरिट के आधार पर
2. अनुसूचित छात्रवृत्ति-निर्धनता के आधार पर
3. अन्य पिछड़ी छात्रवृत्ति-निर्धनता के आधार पर
4. सामान्य जाति छात्रवृत्ति-निर्धनता के आधार पर
5. विकलांग छात्रवृत्ति-विकलांगता के आधार पर

नोट : अनुसूचित जाति को छात्रवृत्ति के साथ शिक्षण शुल्क व विश्वविद्यालय परीक्षा शुल्क भी सरकार द्वारा प्रदान की जाती है।

प्रवेश के समय ही कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त कर विधिवत भरकर जमा कर दें।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ

महाविद्यालय में व्यक्तित्व निर्माण के लिए वर्ष पर्यन्त सांस्कृतिक गतिविधियों का अयोजन किया जायेगा। विद्यार्थियों को अभिव्यक्ति का पूरा अवसर दिया जायेगा। नाटक,एकांकी कविता एवं अन्य लिखित विद्याओं में विद्यार्थियों की स्वाभाविक रूचि उत्पन्न करना सांस्कृतिक गतिविधियें का उद्देश्य है। प्रवेश के उपरान्त इच्छुक छात्र-छात्रायें सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी से सम्पर्क करें।

कालेज भवन एवं प्रयोगशालायें

महाविद्यालय का प्रांगण, शान्त एवं स्वस्थ वातावरण विद्यार्थियों को स्वतः ही उच्च शिक्षा तथा सुसंस्कृति एवं सदाचार पूर्ण जीवन की ओर उन्मुख होने की प्रेरणा देता है। महाविद्यालय भवन में अध्ययन कक्ष, लेक्चर थियेटर, प्रायोगिक शिक्षण के लिये भौतिकी, रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान की आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालायें हैं।

यूनीफोर्म

छात्र के लिए-काली पेन्ट, सफेद शर्ट, काले जूते, सफेद मौजे

छात्राओं के लिए-परपल कुर्ता, सफेद सलवार, काले जूते, सफेद मौजे

महाविद्यालय में छात्रों से सम्बन्धित आवश्यक सूचनायें

(1) महाविद्यालय में कार्यालय का समय प्रात: 09.30 से 4.00 बजे सांय तक है।

(2) महा विद्यालय में प्रवेश प्रारम्भ तिथि 1 जून।

(3) महाविद्यालय में विश्वविद्यालय फार्म जमा करने की अन्तिम तिथि 31 अगस्त अन्यथा की स्थिति में छात्र/छात्रा स्वंय जिम्मेदार होंगे।

(4) प्रयोगात्मक परीक्षा की तिथि 1 दिसम्बर से 15 अगस्त के मध्य प्रयोगात्मक परीक्षा छूटने की स्थिति में छात्र/छात्रा स्वंय जिम्मेदार।

(5) प्रयोगात्मक परीक्षा सम्बन्धित रिकार्ड प्रस्तुत करना अनिवार्य। रिकार्ड जमा करने की अन्तिम तिथि 15 नवम्बर।

Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्रीय-गान

जन गण मन अधिनायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता ।

पंजाब, सिन्धु, गुजरात, मराठा,
द्राविड़ उत्कल बंग ।

विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा,
उच्छल जलधि तरंग।

जब शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे ।

गाहे तब जय गाथा।
जन-गण मंगल दायक जय हे।

भारत भाग्य विधाता।

जय हे! जय हे! जय हे!
जय, जय, जय, जय हे!

प्रार्थना

इतनी शक्ति हमें देना दाता, मन का विश्वास कमजोर हो ना।
हम चलें नेक रस्ते पर हमसे, भूल कर भी कोई भूल हो ना।

दूर अज्ञान के हों अंधेरे, तू हमें ज्ञान की रोशनी दे।
हर बुराई से बचते रहें हम, जितनी भी दे भली जिन्दगी दे।

बैर हो न किसी का किसी से, भावना मन में बदले की हो न।
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे, भूलकर भी कोई भूल हो ना।

हम ना सोचें हमें क्या मिला है, हम ये सोचें कि किया क्या है अर्पण।
फूल खुशियों के बाँटे सभी को, सबका जीवन भी बन जाये मधुवन।

अपनी करुणा का जल तू बहा के, कर दे पावन हर एक मन का कोना ।
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे भूलकर भी कोई भूल हो ना।

इतनी शक्ति हमें देना दाता, मन का विश्वास कमजोर हो ना।
हम चलें नेक रस्ते पर हमसे, भूल कर भी कोई भूल हो ना।

Scanned with OKEN Scanner

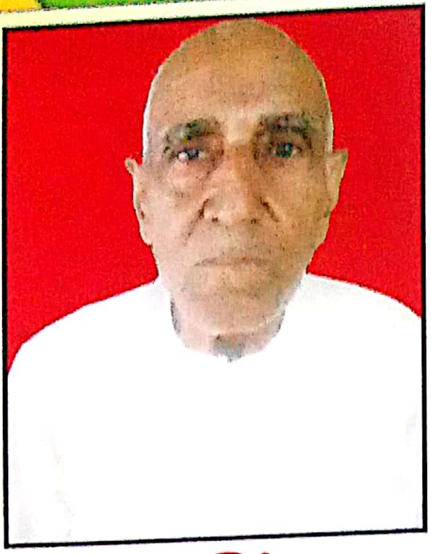

श्री सोवरन सिंह यादव

राधेश्याम यादव (पत्रकार)
(संरक्षक)

रामप्रकाश यादव
(संस्थापक/अध्यक्ष)

सत्येन्द्र यादव
(कोषाध्यक्ष)

जितेन्द्र सिंह यादव (पंकज)
(सदस्य प्रबन्ध समिति)

शैलेन्द्र यादव
(उप प्रबन्धक)

Scanned with OKEN Scanner

हमारा संकल्प

अच्छे विद्यार्थी

अच्छे नागरिक

E-mail : pushpendra.etw@gmail.com
Web Site : www.smudmahavidyalay.com
Help Line : 9084333382, 8430221347